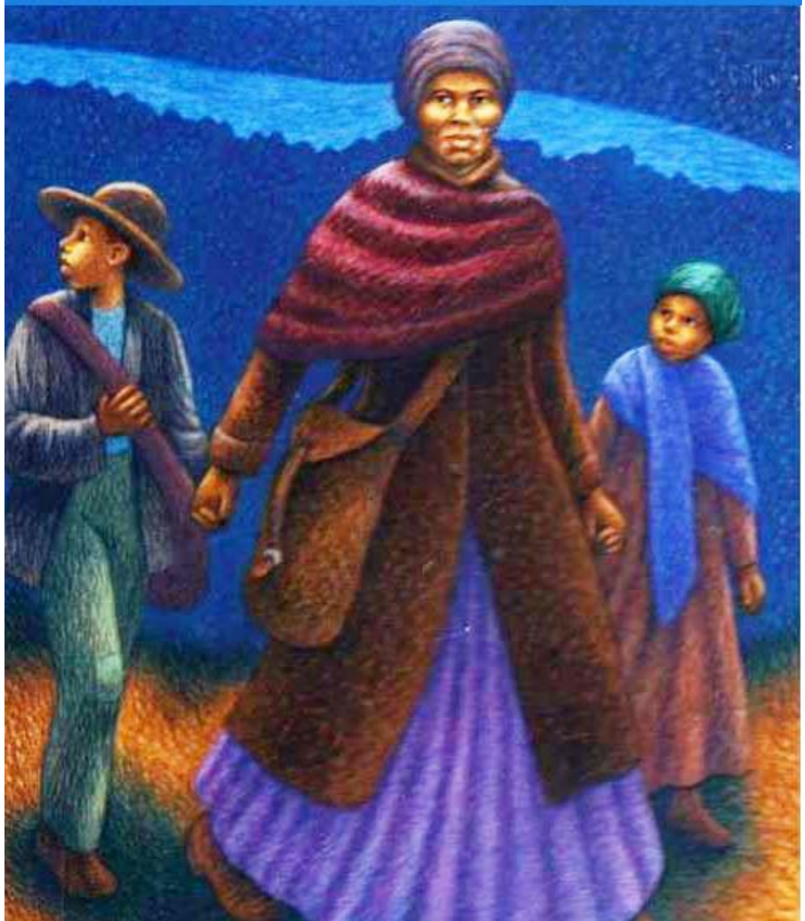
उत्तर की ओर पलायन करो!

हैरियट टबमैन की कहानी



मोनिका कुलिंग

चित्र: टेरेसा फ्लेविन

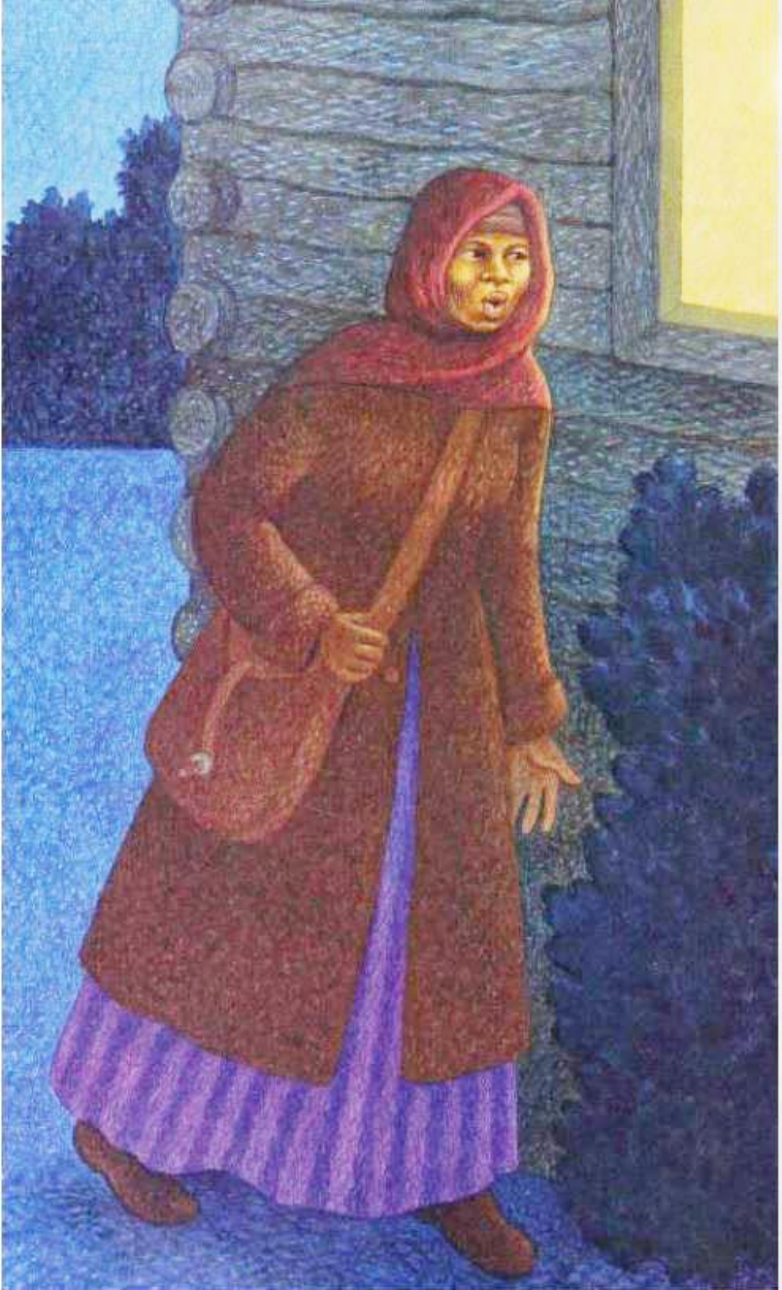
उत्तर की ओर पलायन करो!

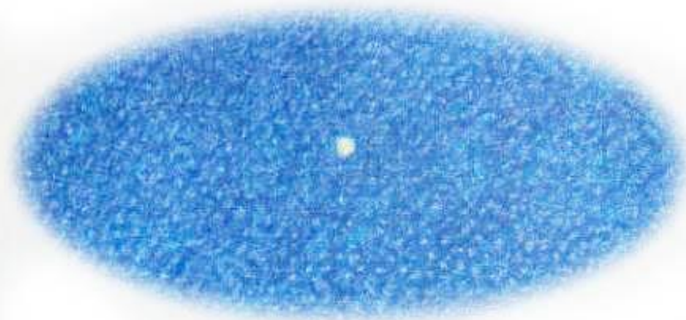
हैरियट टबमैन की कहानी

मोनिका कुलिंग

चित्र: टेरेसा फ्लेविन





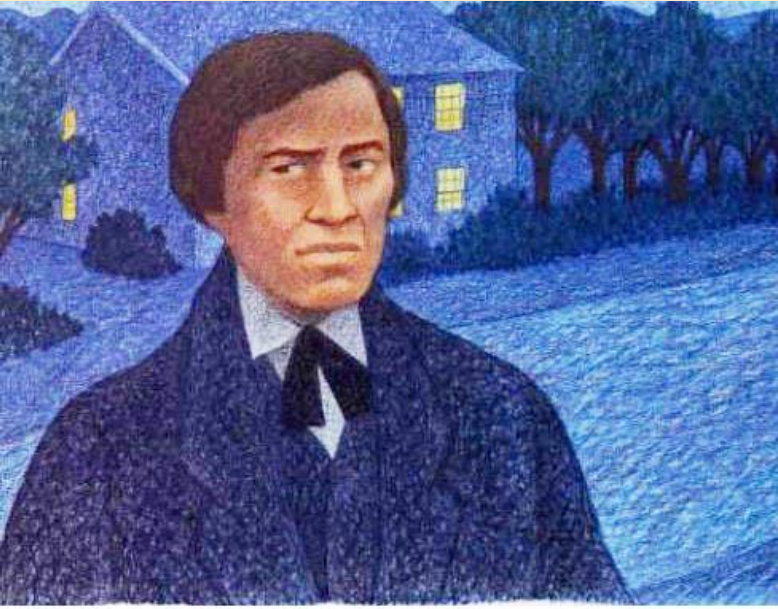


1

उत्तर की ओर पलायन करो!

रात अँधेरी थी. झींगुरों का संगीत हवा में गूंज रहा था. एक महिला केबिन के बाहर छिपी थी. उसने "नीचे जाओ, मोसेस" नाम का गाना गाया. गाने की एक पंक्ति थी: "मेरे लोगों को जाने दो."

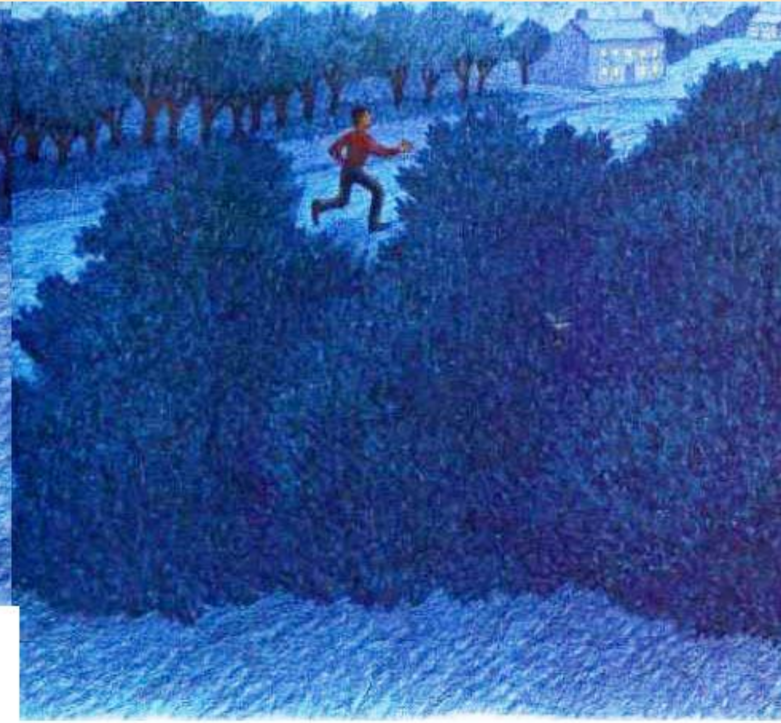
केबिन के अंदर के गुलामों को पता था कि वो हैरियट टबमैन थी और वो अपने लोगों को गुलामी से बाहर निकालने आई थी.



यह 1851 की बात है. हैरियट टबमैन अंडरग्राउंड रेलरोड पर एक कंडक्टर थी. अंडरग्राउंड रेलरोड कोई असली रेलवे नहीं थी. यह नाम उस मार्ग को दिया गया था जो गुलामों लोगों को उत्तर की ओर आज़ादी की ओर ले जाता था.

सालों पहले, एक गुलाम भाग गया था. ऐसा लगा जैसे वो अपने मालिकों की आँखों के सामने से गायब हो गया हो.

"वह ज़रूर किसी अंडरग्राउंड रेलरोड पर गया होगा," मालिक ने कहा.



फिर कहानी फैल गई. उत्तर की ओर आज़ाद राज्यों तक पहुँचने का एक रास्ता था! ऐसे लोग थे जो वहां पहुँचने में गुलामों की मदद करते थे. वे उन्हें अपने घरों में छिपाते थे. ये सुरक्षित घर भूमिगत रेलमार्ग पर स्टेशन थे. भगोड़े एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक भागते थे जब तक कि वे उस राज्य में नहीं पहुँच जाते थे जहाँ गुलामी, कानून के विरुद्ध थी.

उस शनिवार की रात, दस गुलामों ने हैरियट की आज़ादी की पुकार का जवाब दिया. रविवार के दिन खेत के गुलामों की छुट्टी थी. इसलिए मालिक को सोमवार तक यह पता नहीं चलता कि उसके गुलाम भाग गए थे. फिर मालिक और उसके कुत्ते गुलामों का पीछा करते. अगर वे पकड़े जाते, तो उन्हें पीटा जाता... शायद मौत के घाट उतार दिया जाता.

हैरियट यह सुनिश्चित करने के लिए वहां थी कि ऐसा न हो. उसने अपनी आँखें आसमान में एक तारे पर टिकाए रखीं - उत्तरी तारे यानि ध्रुव तारे पर. वह तेज़ी से आगे बढ़ी, और भगोड़े उसके पीछे-पीछे चले.

अचानक, बादलों ने तारे को ढक लिया. हैरियट को यह सुनिश्चित करना था कि वह सही दिशा में चले. अगर वह ऐसा नहीं करती, तो वे सभी मालिक के बागान में दुबारा वापस पहुँच सकते थे!



हैरियट ने अपने सबसे नज़दीकी पेड़ की छाल पर अपनी उंगलियाँ फिराईं. डैडी बेन ने उसे सिखाया था कि पेड़ों के उत्तरी हिस्से में काई उगती थी.

मुझे उत्तर की ओर उसी तरह जाना होगा बिल्कुल वैसे जैसे मेरे पिताजी ने मुझे सिखाया था, उसने सोचा.

हैरियट ने अपनी आँखें बंद कीं और बचपन के उन पाठों के बारे में सोचा जब वह एक छोटी लड़की थी.



2

गुलाम के रूप में जन्म

हैरियट टबमैन का जन्म लगभग 1820 में अरामिंटा रॉस के रूप में हुआ था. बचपन में, उसे लोग मिंटी बुलाते थे. बाद में, उसने अपनी माँ के नाम पर अपना हैरियट नाम रखा. उसकी माँ को लोग ओल्ड रिट बुलाते थे.

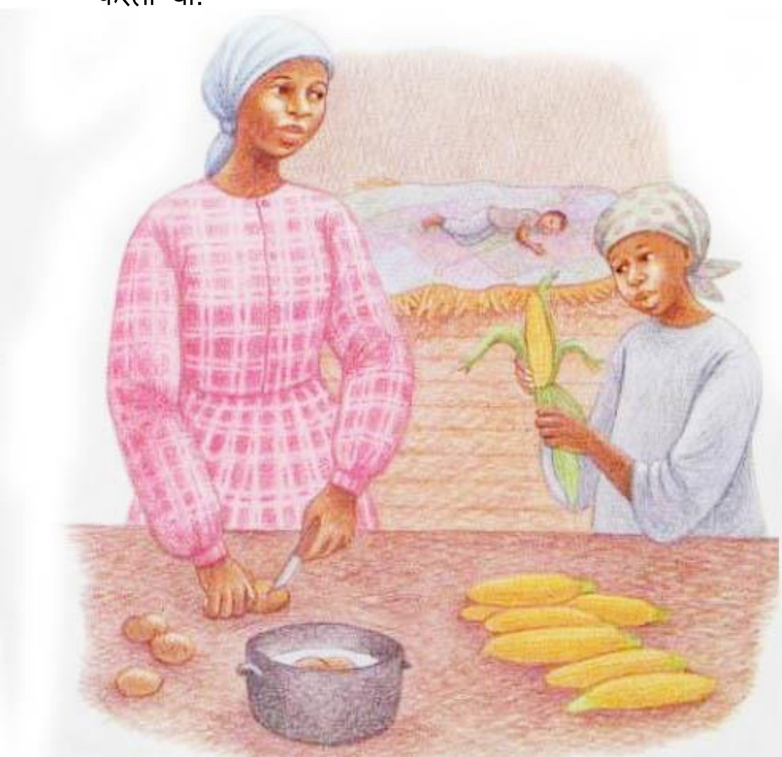
हैरियट, मैरीलैंड में एक तम्बाकू बागान में एक गुलाम के रूप में पैदा हुई थी. वह और उसका परिवार एडवर्ड ब्रोडास नाम के एक व्यक्ति की संपत्ति थे. इसका मतलब था कि उनके पास अपने जीवन के ऊपर बहुत कम अधिकार था. उन्हें बेचा भी जा सकता था और एक-दूसरे से अलग भी किया जा सकता था.



हैरियट का परिवार मालिक के घर के पास एक छोटे से केबिन में रहता था. केबिन में कोई खिड़कियाँ नहीं थीं और वहां केवल एक कच्ची मिट्टी का फर्श था. परिवार पुआल से बने बिस्तरों पर सोता था. वे कंबल के लिए चीथड़ों का इस्तेमाल करते थे. उनके पास खाने के लिए बहुत कम होता था.

हैरियट स्कूल नहीं जाती थी. गुलामों को पढ़ने-लिखने और सीखने की अनुमति नहीं थी.

इसके बजाय, वह खाना बनाने में अपनी माँ की मदद करती थी.



वह खेतों में काम करने वाले गुलामों के लिए बाल्टी में पानी लेकर जाती थी.



वह तम्बाकू के पौधों से कीड़े चुनती थी.

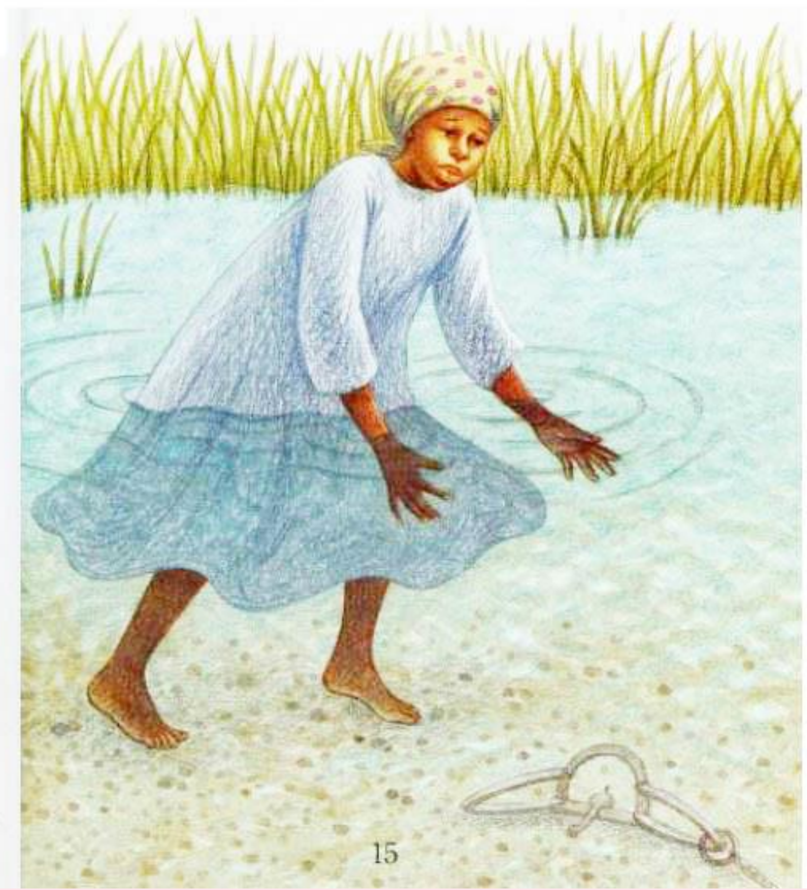


जब हैरियट सात साल की थी, तो उसे एक पड़ोसी, मिसेज़ कुक के यहाँ काम करने के लिए भेजा गया. मिसेज़ कुक ने हैरियट से पूरे दिन सूत लपेटने को कहा. कभी-कभी जब सूत टूट जाता था तब मिसेज़ कुक चाबुक निकालती और चिल्लातीं.

"तुम बेवकूफ लड़की हो," वह कहती. "मैं तुम्हें दिखाऊंगी कि असली काम कैसे किया जाता है."



मिसेज़ कुक ने हैरियट को मिस्टर कुक के लिए काम करने के लिए भेजा. दिन-ब-दिन, हैरियट दलदल में खड़ी होकर चूहों को पकड़ने वाले के जाल की जाँच करती थी. अंत में, वह बीमार पड़ गई, और फिर मिस्टर कुक उसे घर ले गए.





जब वह ठीक हुई, तो मिस्टर ब्रोडस ने उसे तम्बाकू के खेतों में काम करने भेज दिया.

खेतों में, गुलाम तपती धूप में लंबे समय तक काम करते थे. अगर वे पर्याप्त तेज़ी से काम नहीं करते, तो उन्हें पीटा जाता था. यह हैरियट को बिल्कुल उचित नहीं लगता था. कभी-कभी, वह आसमान की ओर देखती और पक्षियों को उत्तर की ओर उड़ते हुए देखती. उसने खुद से वादा किया कि एक दिन वह भी अपनी आज़ादी के लिए उत्तर की ओर उड़ेगी.

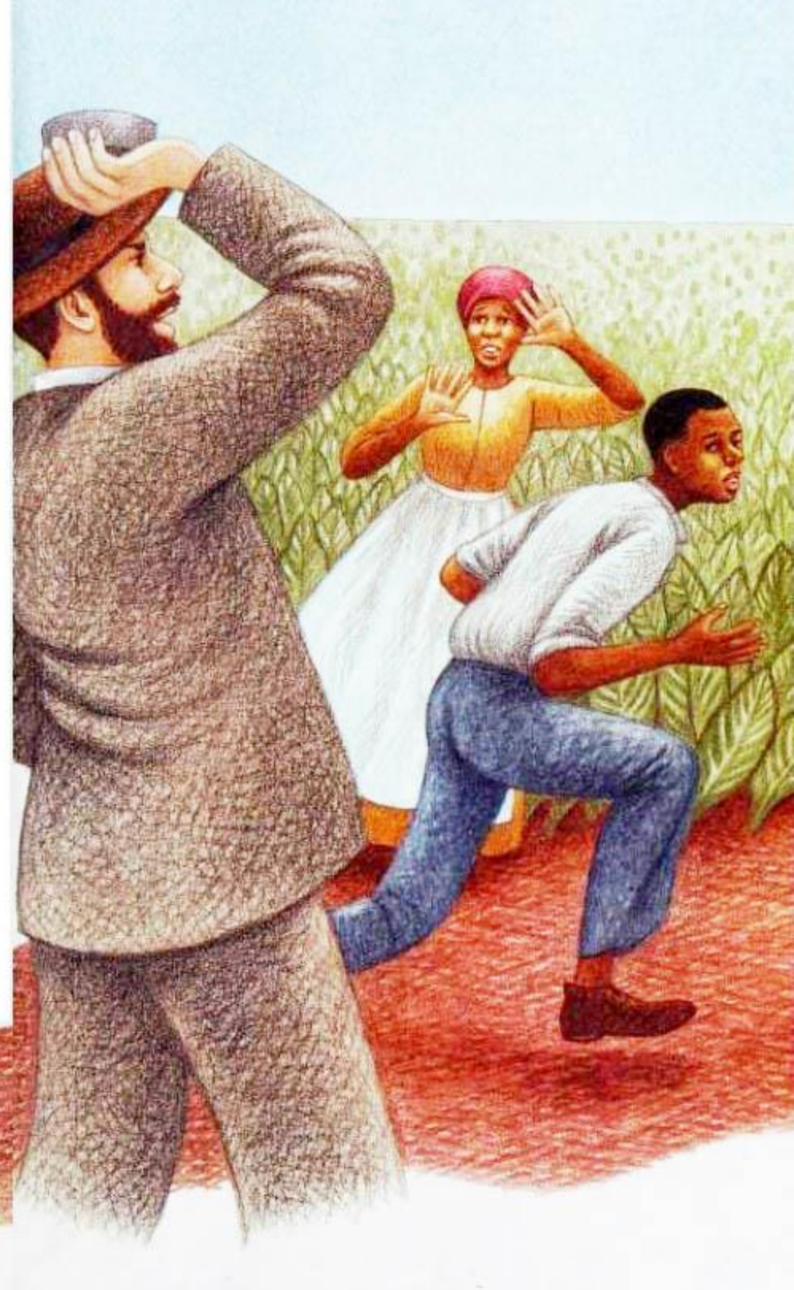
3

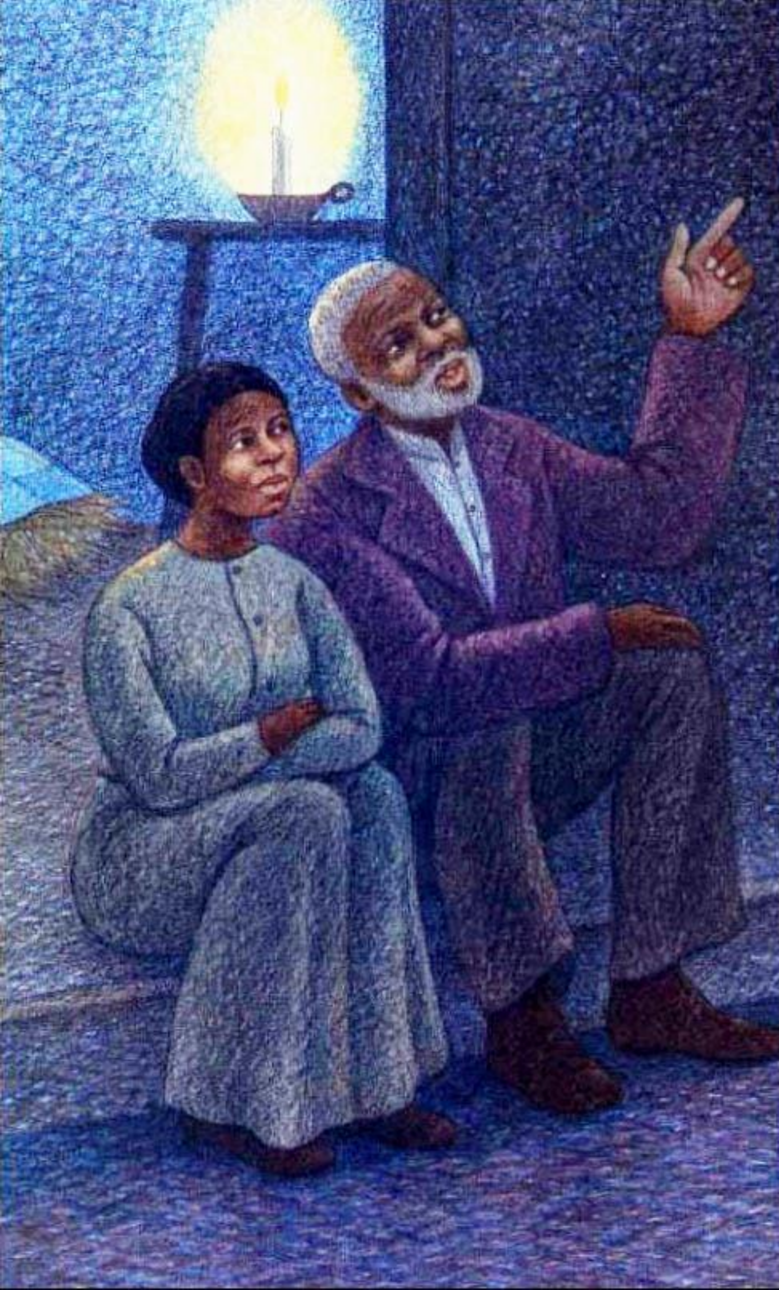
दुर्घटना

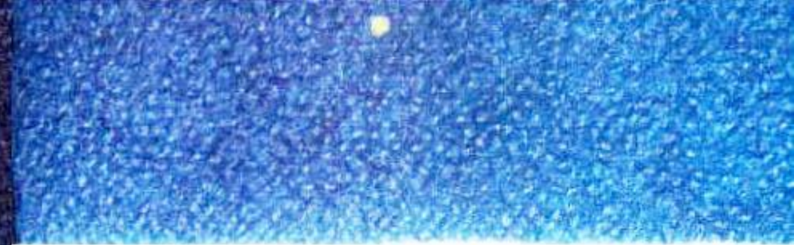
जब हैरियट किशोरी थी, तो खेतों में काम करने वाला एक गुलाम भाग गया. मालिक ने उसे रोकने के लिए उस पर एक लोहे का बाट फेंका. लेकिन वो भारी बाट हैरियट को जाकर लगा.

उसके बाद हैरियट पहले जैसी नहीं रही. वह बिना किसी चेतावनी के सो जाती थी. कभी-कभी उसका सिर किसी वाक्य को बोलते समय बीच में ही गिर जाता था और वह सो जाती थी.

इस तरह की शारीरिक हालत, भागने को और भी खतरनाक बना देती. लेकिन हैरियट ने भागने का पक्का मन बना लिया था.







उसके पिता डैडी बेन को पता था कि हैरियट भाग जाएगी. वह चाहते थे कि जब वह भागे तो वो उसमें सफल हो. उन्होंने हैरियट को दिखाया कि जंगल में वो कहाँ-कहाँ छिप सकती थी. उन्होंने हैरियट को दिखाया कि भूख लगने पर कौन से पौधे खाने के लिए सुरक्षित थे. उन्होंने हैरियट को जंगल में तेज़ी से और चुपचाप भागना भी सिखाया.

सबसे महत्वपूर्ण बात, उन्होंने हैरियट को उत्तर की ओर जाना सिखाया.

एक शाम डैडी बेन ने कहा, "आसमान में उस तारामंडल बिग-डिपर या सप्तऋषि मंडल को देखो."

इस प्रकार हैरियट ने डूबते हुए करछुल बनाने वाले सितारों को पक्की तरह पहचानना सीखा.

"कटोरे के ऊपर वह चमकीला तारा देखो?" डैडी बेन ने कहा. "वह ध्रुव तारा है. उसकी सीध में जाओ और फिर तुम स्वतंत्रता की ओर बढ़ोगी."

4
हैरियट भाग जाती है

साल बीत गए. जब भी हैरियट का हौसला टूटता, वह ध्रुव तारे की ओर देखती.

जब वह अट्ठाईस साल की थी, हैरियट को जॉन टबमैन से प्यार हो गया. गुलामों को शादी करने की अनुमति नहीं थी. इसलिए उन्होंने "झाड़ू कूदना" शुरू कर दिया. फर्श पर एक झाड़ू रखी गई थी. दंपत्ति ने उस पर छलांग लगाई. जब वे उसके पार कूदे, तो वे पति-पत्नी थे.



हैरियट ने जॉन को भागने की अपनी योजना बताई. "मुझे स्वतंत्रता, या मृत्यु का अधिकार है," उसने कहा. "मुझे उनमें से एक ही मिलेगा, क्योंकि कोई भी मुझे जीवित वापस नहीं लाएगा."

जॉन वो परेशानी उठाना नहीं चाहता था. उसने कहा कि अगर हैरियट भागने के बारे में बात करती रही तो वह मिस्टर ब्रोडास से उसकी शिकायत कर देगा.

हैरियट ने उसके बारे में बात करना बंद कर दिया, लेकिन उसने उसके बारे में सोचना बंद नहीं किया.







एक दिन, हैरियट को पता चला कि उसे बेच दिया गया था. अब उसे भागना चाहिए था!

हफ़्तों पहले, एक क्वेकर महिला ने हैरियट की मदद की पेशकश की थी. क्वेकर धार्मिक लोग थे जो मानते थे कि किसी इंसान को दूसरे इंसान को गुलाम बनाना गलत था. उस महिला ने हैरियट को अगले राज्य डेलावेयर में एक सुरक्षित घर का रास्ता भी बताया.

अगले शनिवार, हैरियट ने जॉन के सो जाने तक इंतज़ार किया. फिर उसने मक्का की रोटी और नमकीन मछली को रूमाल में लपेटा. उसके बाद उसने चुपचाप केबिन का दरवाज़ा खोला.

बाहर, ध्रुव तारे ने उसे रास्ता दिखाया. हैरियट ने पीछे मुड़कर नहीं देखा. वह तेज़ी से भागती हुई जंगल में चली गई!





5

आखिरकार आज़ाद!

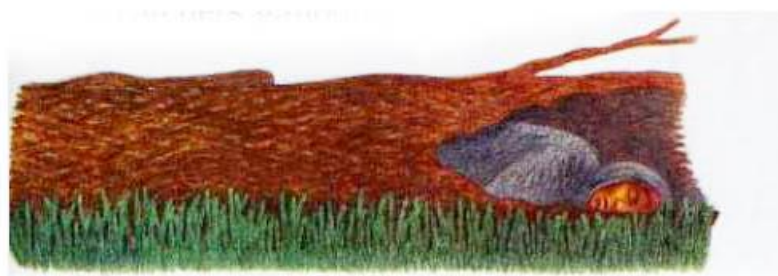
हैरियट घंटों भागती रही. तेज दर्द ने उसके शरीर के पिछले हिस्से में चुभन पैदा कर दी. लेकिन वह रुकी नहीं.

वह मैरीलैंड सीमा तक चोपटैंक नदी के किनारे-किनारे चलती रही. भागते समय, हैरियट को डैडी बेन के शब्द याद आए:

"जब भी संभव हो पानी में चलना. तब कुत्ते तुम्हारी गंध को खो देंगे."

हैरियट ने अपने जूते उतारे और बर्फीली नदी में कदम रखा. जब सूरज निकला, तो उसने कुत्तों की भौंकने की आवाज़ सुनी. मालिक उसका पीछा कर रहा था!

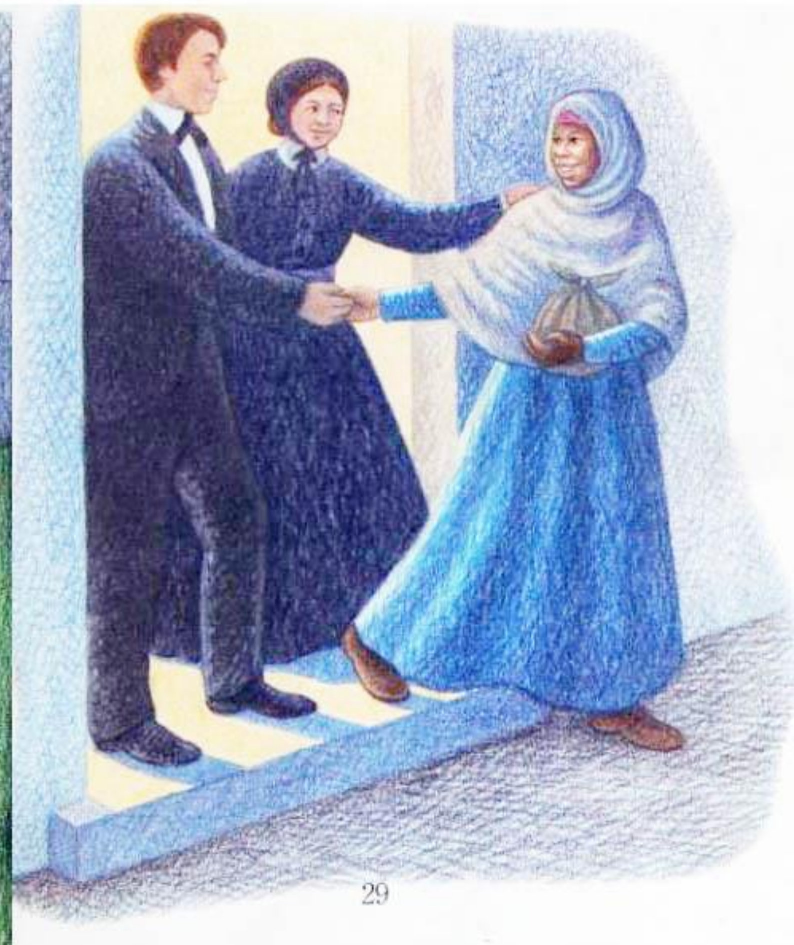
हैरियट को दलदल में एक छोटा सा द्वीप मिला. वो एक खोखले पेड़ के तने में छिप गई. वह इतनी थकी हुई थी कि उसे नींद आ गई. उसने गुलाम पकड़ने वालों की सरपट दौड़ती आवाज़ नहीं सुनी.

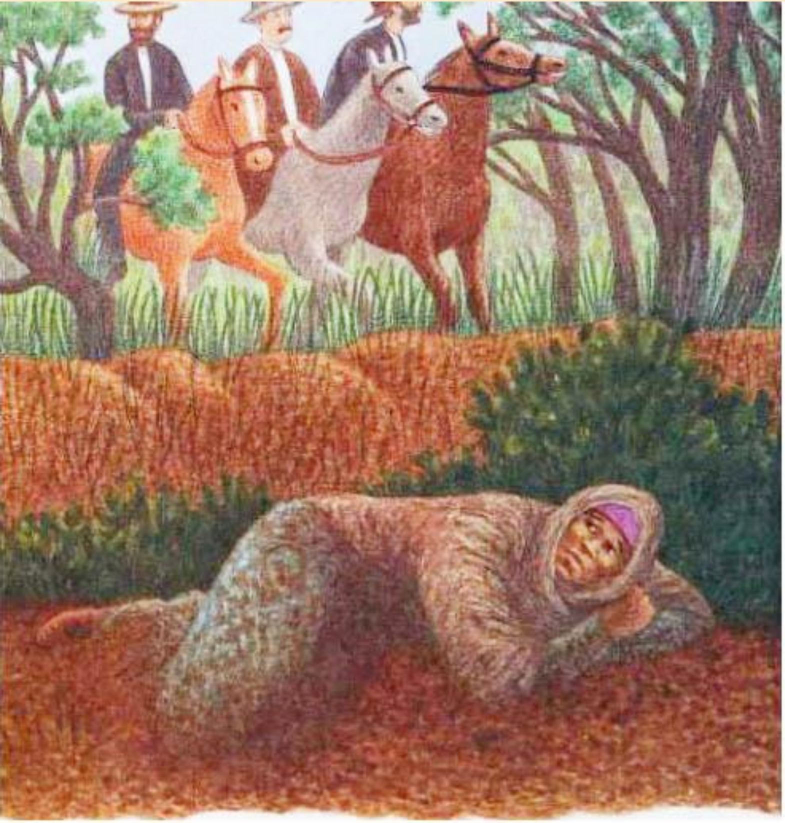


कैमडेन, डेलावेयर में, हैरियट को वह सुरक्षित घर मिला जिसके बारे में क्वेकर महिला ने उसे बताया था. कपड़े की रस्सी पर एक चमकीले रंग की रजाई लटकी हुई थी. इसका मतलब था कि हैरियट को वहां पर एक दस्तक देना सुरक्षित था.

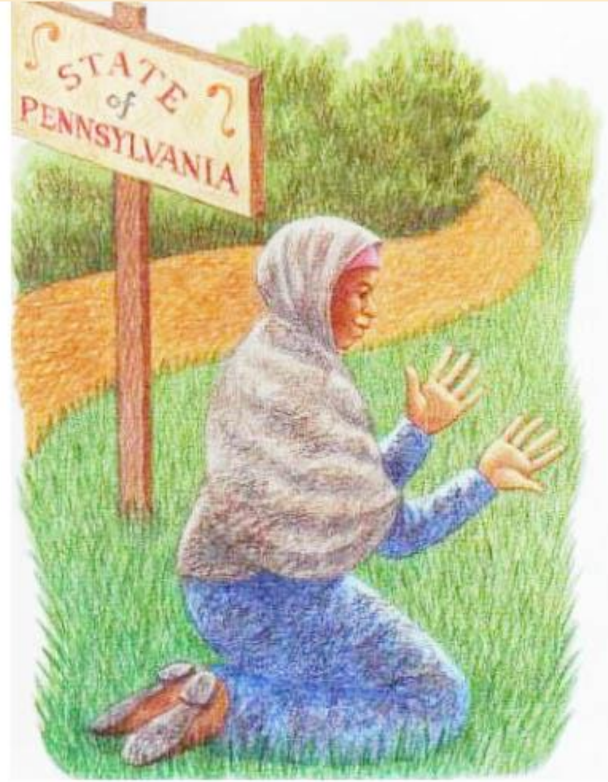
घर के मालिकों ने हैरियट का अपने घर में स्वागत किया. उन्होंने उसे खाना खिलाया. उन्होंने उसे अटारी में छिपा दिया, जहाँ वह पूरे दिन सोती रही. जब रात हुई, तो हैरियट ने उनका शुक्रिया अदा किया और अगले सुरक्षित घर की ओर भागी.







एक बार, हैरियट सड़क पर ही सो गई. वह तभी जागी गई जब वहाँ गुलाम शिकारियों का एक समूह आ रहा था. हैरियट एक खाई में कूद गई और उसने खुद को कीचड़ से ढक लिया. उसने प्रार्थना की कि शिकारी उसे न देखें. सौभाग्य से शिकारियों ने उसे नहीं देखा.



कई दिनों तक भागने के बाद, हैरियट पेंसिल्वेनिया के स्वतंत्र राज्य में पहुँच गई. उसने अपने हाथों को देखा. वह अभी भी वही इंसान थी. लेकिन अब उसमें कुछ बदल आई थी. उसके हाथ अब उसके थे, वे किसी और के नहीं थे. अब हैरियट टबमैन आज़ाद थी!





फिलाडेल्फ़िया में, हैरियट ने किराए पर एक कमरा ढूँढ़ लिया. उसे एक होटल में रसोइए के रूप में काम मिल गया. एक दिन उसकी मुलाक़ात विलियम स्टिल नामक एक व्यक्ति से हुई. वह अमेरिकन गुलाम-विरोधी सोसाइटी का सचिव था. हैरियट सोसाइटी की गुप्त बैठकों में जाने लगी.

एक रात बैठक में, हैरियट को पता चला कि उसकी बहन का परिवार भी भाग गया था. वे बाल्टीमोर में छिपे हुए थे. उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत थी जो उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाए.

"मैं उनका नेतृत्व करूँगी," हैरियट ने कहा.

बैठक में मौजूद पुरुष हैरान थे. भूमिगत रेलमार्ग पर कोई भी महिला कंडक्टर नहीं बनी थी.

वो अभियान बहुत खतरनाक था. लेकिन हैरियट नहीं झुकी. वह अपने लोगों को आज़ाद कराने जा रही थी, ठीक वैसे ही जैसे बाइबल में मूसा ने किया था.





6

पीछे मुड़ना नहीं

उसकी पहली यात्रा अब बहुत पुरानी हो चुकी थी. हैरियट को अब यह याद आया कि कैसे उसने पेड़ पर काई महसूस की थी. वैसा करते-करते वो अपनी मंज़िल तक पहुँची थी, और अब वह फिर से वहाँ पहुँचेगी. "इस तरफ!" उसने भागने वालों गुलामों से कहा.

आखिरकार, समूह एक सुरक्षित घर में पहुँच गया. लेकिन स्टेशन मास्टर ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया. वह मालिक, भगोड़े दास अधिनियम से डरता था. नए कानून में कहा गया था कि गुलाम भागने वालों की मदद करने वाले को कड़ी सज़ा दी जा सकती थी.

इसलिए हैरियट गुलामों के समूह को वापस जंगल में ले गई. हर कोई थका हुआ और भूखा था. एक महिला इतनी कमज़ोर थी कि हैरियट को उसे उठाकर ले जाना पड़ा.

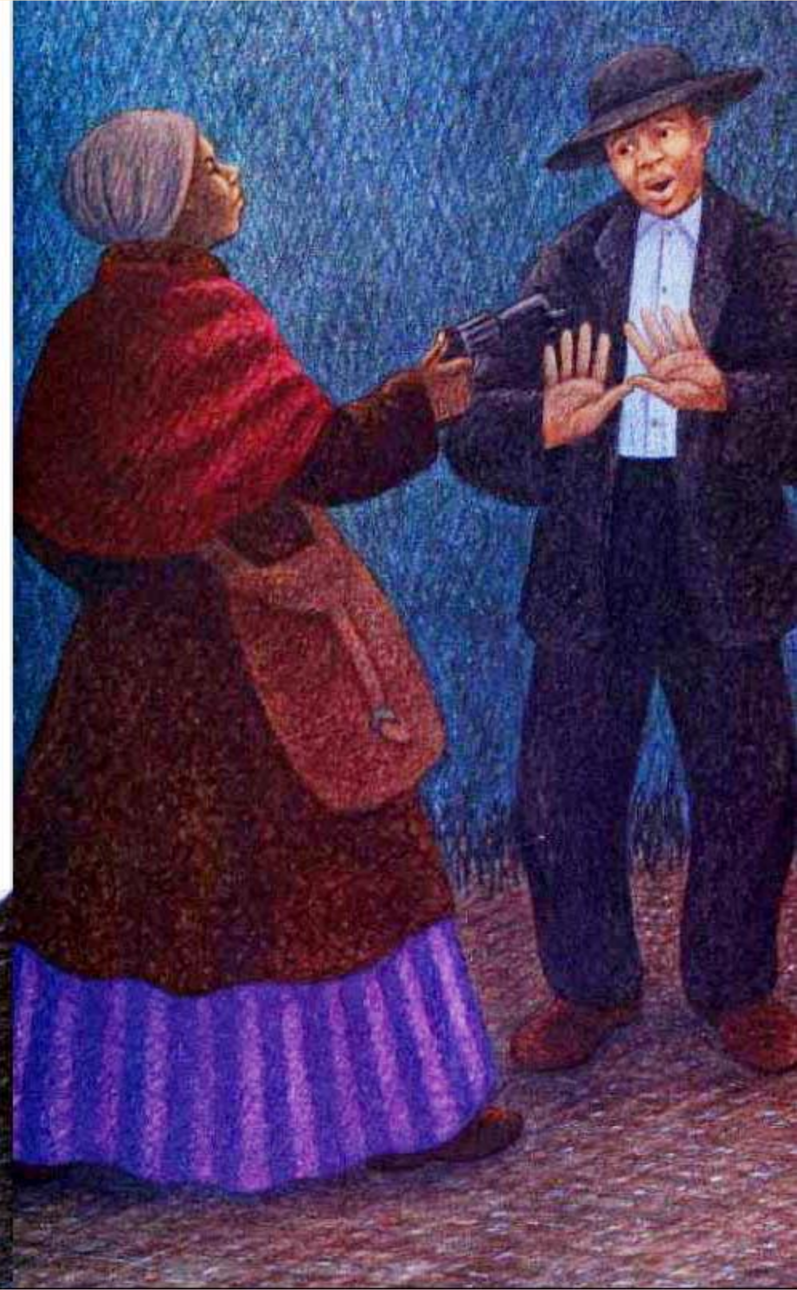
अचानक, उनमें से एक आदमी रुक गया. "मैं वापस जा रहा हूँ," उसने कहा. "इस तरह की तकलीफ भोगने से गुलाम बने रहना ही बेहतर है."

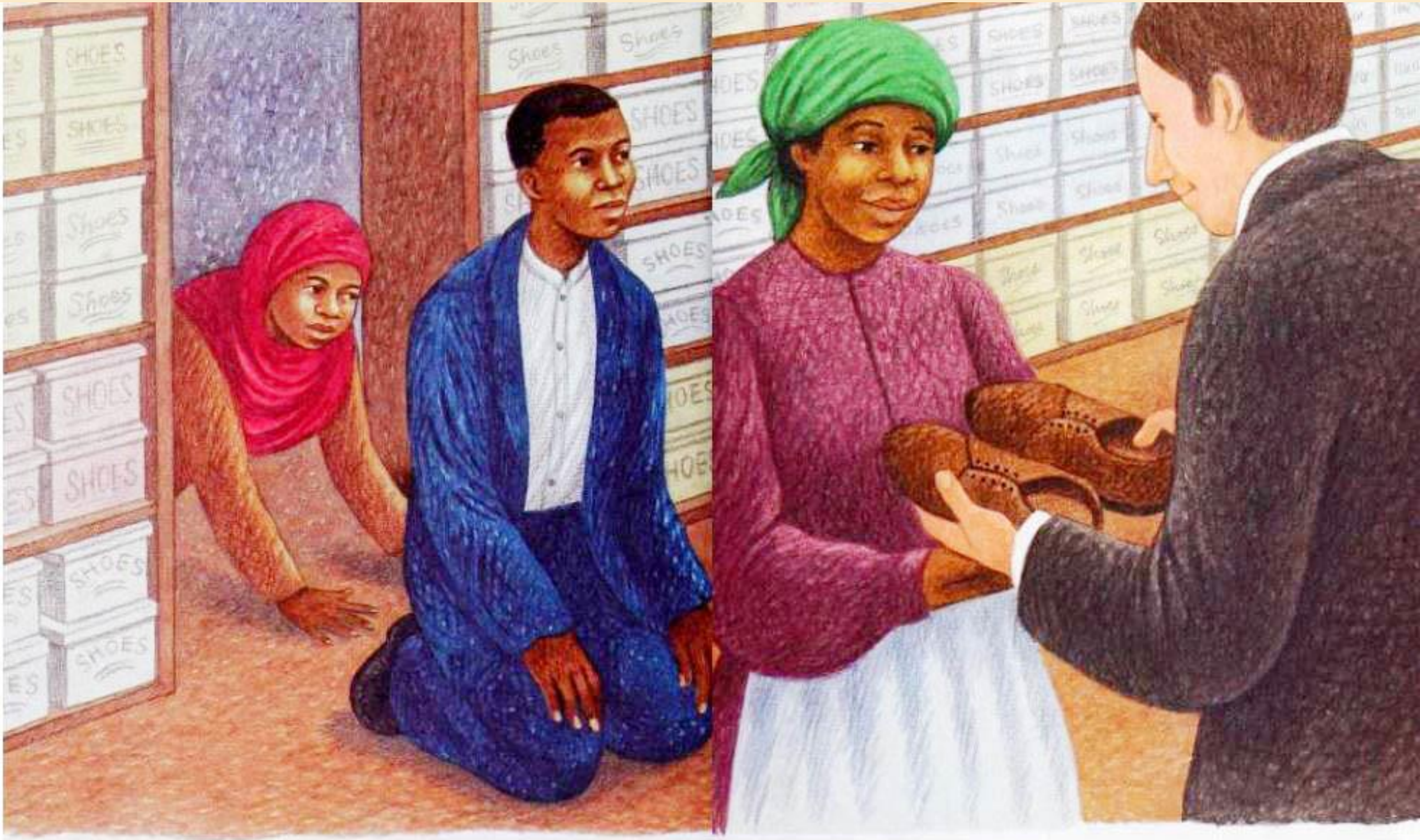
हैरियट उस आदमी के रास्ते में खड़ी हो गई. अगर गुलाम पकड़ने वालों ने उसे पकड़ लिया, तो वे उससे भूमिगत रेलमार्ग के रहस्य उगलवा लेंगे. हैरियट ऐसा नहीं होने दे सकती थी.

हैरियट ने उस आदमी पर अपनी बंदूक तान दी.

"तुम वापस चलो और फिर कभी मत भागना," हैरियट ने उसे चेतावनी दी. "अब मेरे साथ चलो या अभी मरो."

फिर समूह आगे बढ़ता रहा.





आखिरकार, उन्हें विलमिंगटन, डेलावेयर में एक सुरक्षित घर मिला. थॉमस गैरेट नामक एक क्वेकर की एक जूते की दुकान थी. उसने भागने वालों के लिए जूते के बक्सों की एक दीवार के पीछे छिपने के लिए एक गुप्त कमरा बनाया था. जब भागने वाले आगे जाने के लिए तैयार हुए, तो उसने उनमें से प्रत्येक को एक-एक जोड़ी जूते दिए.

जब वे फिलाडेल्फिया पहुँचे, तो विलियम स्टिल ने हैरियट को समूह को कनाडा जाने के लिए पैसे दिए. उन्होंने अपनी डायरी में लिखा: "हैरियट टबमैन बिल्कुल नहीं डरती है. ऐसा लगता है कि उसे कभी भी पकड़ा जा सकता है, यह विचार उसके दिमाग में कभी आता ही नहीं है."



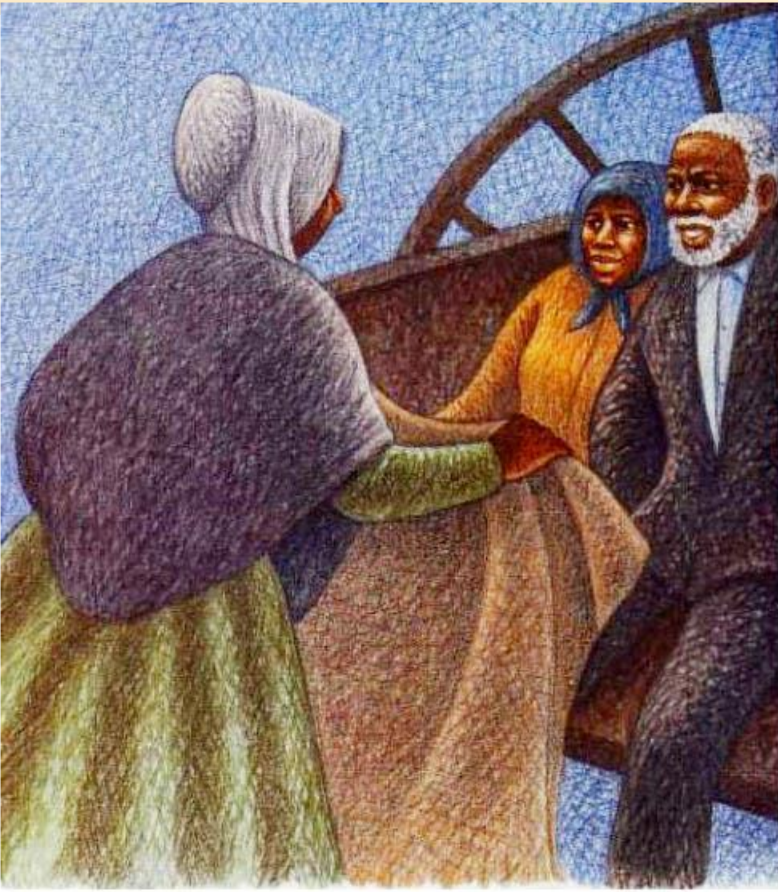
7

डैडी बेन और ओल्ड रिट को बचाना

डैडी बेन और माँ ओल्ड रिट अब सत्तर के हो चुके थे. उनके लिए भागना मुश्किल होगा. लेकिन हैरियट चाहती थी कि उसके माता-पिता भी आज़ादी का जीवन जियें.

1857 में, वह एक बूढ़ी औरत के वेश में मैरीलैंड वापस गई. डैडी बेन और ओल्ड रिट उसे देखकर बहुत खुश हुए.







हैरियट ने पास के बागान से एक पुराना घोड़ा और गाड़ी ली. उस रात, डैडी बेन और ओल्ड रिट गाड़ी के पिछले हिस्से में चढ़ गए. हैरियट ने उन्हें कंबल से ढक दिया.

वह घोड़े को जितनी तेज़ी से चला सकती थी, चलाती रही. वह भोर होते-होते मैरीलैंड से बाहर निकलना चाहती थी.

डेलावेयर में, एक क्वेकर रेलरोड एजेंट ने उन्हें ट्रेन के टिकट बेचे.

डैडी बेन और ओल्ड रिट को इस बात पर यकीन ही नहीं हुआ. वे सारी ज़िंदगी गुलाम रहे थे. अब हैरियट, डैडी बेन की सीख का इस्तेमाल कर उन्हें आज़ादी दिला रही थी.

8
हैरियट के आखिरी साल

1861 में गृह युद्ध छिड़ गया. राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन गुलामों को आज़ाद करना चाहते थे. लेकिन दक्षिणी राज्य इसके खिलाफ़ थे. एक-एक करके, वे संघ से अलग हो गए. उन्होंने अपना खुद का संघ बनाया, जिसे कॉन्फेडेरसी कहा जाता है.

युद्ध ने देश को दो हिस्सों में बाँट दिया. हमेशा की तरह, हैरियट लड़ाई में शामिल होने के लिए तत्पर थी. उसने उत्तर के लिए एक जासूस और स्काउट के रूप में काम किया. उसने एक नर्स के रूप में भी काम किया.

1865 में, उत्तर ने गृह युद्ध जीत लिया. भूमिगत रेलमार्ग चलना बंद हो गया. गुलामों को आज़ाद करने की लड़ाई खत्म हो गई.







हैरियट ने अपने माता-पिता की देखभाल करते हुए अपने बाद के साल ऑबर्न, न्यूयॉर्क में बिताए. कई सालों के बाद, सरकार ने उसके काम के लिए उसे इनाम देने का फैसला किया. उसने उन पैसों का इस्तेमाल बुज़ुर्ग अश्वेतों बेघर लोगों के लिए घर बनाने में किया.

1913 में, हैरियट इतनी बीमार हो गई कि वो बिस्तर से उठ तक नहीं पाती थी. आगंतुक उसे अखबार पढ़कर सुनाते थे. वह वोट के अधिकार के लिए लड़ रही महिलाओं की खबरों पर अपनी नज़र रखती थी. हैरियट ने उन्हें एक संदेश भेजा: "एक साथ खड़े हो." वो एक ऐसा संदेश था जिसने उसके लोगों को गुलामी पर जीत हासिल करने में मदद की थी. एक दिन, वही सन्देश महिलाओं को वोट जीतने में मदद करेगा.



हैरिएट की मृत्यु तिरानवे वर्ष की आयु में हुई. उन्होंने कम-से-कम उन्नीस यात्राएँ दक्षिण की ओर की थीं और तीन सौ से ज़्यादा लोगों को गुलामी से बाहर निकाला था. मैं कभी किसी ट्रेन की पटरी से नहीं उतरी, और मैंने कभी कोई यात्री नहीं खोया," वह कहना पसंद करती थीं. आज, हैरियट टबमैन को "अपने लोगों के मूसा" और गुलामी के खिलाफ़ लड़ाई में सबसे बहादुर सैनिकों में से एक के रूप में याद किया जाता है.

अंत